रेशम प्रक्षेत्र

➢ **राज्य योजना (2021–22)–**

- अंडी रेशम विकास योजना(मुजफ्फरपुर एवं बेगूसराय) –

  मुजफ्फरपुर में 96 लाभूकोंएवं बेगूसराय में 66 लाभूकों को प्रशिक्षण, कीटपालन उपस्कर, कीटपालन गृह निर्माण हेतु सहायता कार्यक्रम की कार्रवाई की जा रही है जिससे वहाँ पर अंडी रेशम उत्पादन की उत्पादकता बढ़ाई जा सके।

- **तसर रेशम विकास की योजना (नवादा)–**

  योजना अन्तर्गत 105 अनुसूचित जाति के लाभूकों को कीटपालन उपस्कर (इकाई लागत रु0 21,050.00) आपूर्ति की जा रही है, जिससे तसर ककून उत्पादकता बढ़ सके।

➢ **केन्द्र सहायता प्राप्त केन्द्रीय रेशम बोर्ड के सिल्क समग्र योजना – 1** (2021–22) अंतर्गत रेशम विकास की योजना (प्री कोकून) –

- **अंडी रेशम विकास योजना–**

  मुजफ्फरपुर– 204 अंडी रेशम कृषकों को प्रशिक्षण, कीटपालन गृह निर्माण एवं कीटपालन उपस्करएवं 50 लाभूकों को सोलर ओपरेटेड स्पिनिंग मशीन की सहायता के संबंध में कार्रवाई की जा रही है।

- **तसर विकास की योजना–**

  नवादा– अनुसूचित जाति उप योजना अन्तर्गत 400 अनुसूचित जाति के लाभूकों को तसर खाद्य–पौधारोपण एवं कीटपालन उपस्कर 50 लाभूकों को मोटर चलित सूत कताई मशीन हेतु सहायता प्रदान की जा रही है।

- जमूई– अनुसूचित जन जाति उप योजना अन्तर्गत 200 लाभूकों का चयन कर तसर कीट–खाद्यों का विकास/ रख–रखाव, कीटपालन उपस्कर– 25 एवं 25 सूत कताई मशीनों की आपूर्ति की जाएगी।

➢ केन्द्रीय रेशम बोर्ड के सिल्क समग्र योजना– 2 (2022–2027) अन्तर्गत रेशम विकास की योजना–

- केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बेगलूरु द्वारा सिल्क समग्र योजना– 2 योजना अन्तर्गत राज्य में तसर विकास हेतु SCSP के तहत बांका, जमूई एवं नवादा जिलों में 350 हेक्टेयर एवं TSP के तहत नवादा में 50 हेक्टेयर (कुल 400 हेक्टेयर) एवं SCSP के तहत अंडी विकास हेतु में 784 इकाई की स्वीकृति प्रदान की गई है।

- पोस्ट ककून में SCSP के तहत 4 लाभुकों को सामान्य वर्ग के 3 लाभूकों को डाईंग फिनिशिंग एवं ETP के लिए सहायता की स्वीकृति प्रदान की गई।